मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इंडिया) लिमि. द्वारा ग्राम–बिरगहनी (ब), तह. –बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी–0.96 एम.टी.पी.ए. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 28.06.2014 को ग्राम–बिरगहनी (ब), कटरा प्राथमिक शाला के पहले शासकीय मैदान, विकासखण्ड– बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा मे संपन्न लोक सुनवाई की कार्यवाही विवरण।

भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ई0 आई0 ए0 अधिसूचना 14.09.2006 के अंतर्गत् मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इंडिया) लिमि. द्वारा ग्राम–बिरगहनी (ब), तह.–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी–0.96 एम.टी.पी.ए. के लिए, भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल में लोक सुनवाई हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के परिपेक्ष्य में जिला कलेक्टर, जांजगीर–चांपा द्वारा जन सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 28.06.2014 को ग्राम–बिरगहनी (ब), कटरा प्राथमिक शाला के पहले शासकीय मैदान, विकासखण्ड– बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा मे श्री एस. के. शर्मा, अपर कलेक्टर, जांजगीर–चांपा की अध्यक्षता एवं बी0 एस0 ठाकुर, क्षेत्रीय अधिकारी, छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर की सहभागिता में लोक सुनवाई प्रारंभ की गई।

अपर कलेक्टर द्वारा उपस्थित जन समुदाय, जन प्रतिनिधियो तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए जन सुनवाई के महत्व एवं उदेश्य पर प्रकाश डालते हुए लोक सुनवाई के संबंध में छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही से जनसामान्य को अवगत कराया गया एवं तत्पश्चात उनके द्वारा लोक सुनवाई प्रारंभ करने की विधिवत घोषणा की गई। साथ ही यह व्यवस्था दी गई कि लोक सुनवाई मे सभी इच्छुक वक्ताओं को अपनी राय, सुझाव, विचार तथा आपत्तियां रखने के लिए पूरा–पूरा अवसर दिया जावेगा तथा सभी वक्ताओं के बोलने के पश्चात् ही लोक सुनवाई की कार्यवाही समाप्त की जावेगी। साथ ही यह भी समझाईश दी गई कि जब वक्ता अपना वक्तब्य दे रहे हो तो उस समय कोई अन्य व्यक्ति व्यवधान न डाले व कोई टीका टिप्पणी न करें, तथा शांति व्यवस्था बनाई रखी जावें। यह भी बताया गया कि जो कोई व्यक्ति लिखित में अपना विचार, सुझाव, सहमति व आपत्ति आदि देना चाहे तो वे दे सकते है। ऐसे लिखित मे प्राप्त सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां की अभिस्वीकृति छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल, के क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दी जावेगी तथा उसे अभिलेख में लाया जावेगा।

This document was created using Smart PDF creation. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

इसके पश्चात् अपर कलेक्टर द्वारा मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इंडिया) लिमि. द्वारा ग्राम–बिरगहनी (ब), तह.–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.) के प्रतिनिधि को उद्योग के संबंध में सामान्य जानकारी के साथ पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में किये गये आंकलन की जानकारी से उपस्थित जन सामान्य को अवगत कराने का निर्देश दिया गया ।

मेसर्स हिन्द इनर्जी एंड कोल बेनिफिकेशन (इंडिया) लि0, के महाप्रबंधक (कार्मशियल) श्री सुभाषिश मित्रा द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी के संबंध में जनसामान्य को उद्योग एवं उद्योग से संभावित पर्यावरणीय स्थिति की जानकारी दी गई।

तत्पश्चात् अपर कलेक्टर द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी के संबंध में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां लिखित या मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। जन सुनवाई में आसपास के ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय जन सुनवाई में एक–एक कर अपना सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां रखे। जन सामान्य द्वारा निम्नानुसार सुझाव, विचार, टीका टिपण्णी एवं आपत्तियां दर्ज कराई गई :–

1. श्री शत्रुहन कुमार लास्कर भूतपूर्व सरपंच, ग्राम पंचायत हिण्डाडीह :– लाभ– यहां प्लांट लगने से यहां के स्थानीय व आसपास के लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कुछ लोगों को प्लांट में काम मिलेगा व कई लोग जो यहां गाडियां चलाते है, उसमें ड्रायवरी का काम करेंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। हानि– जैसे कि वाहनों के आवागमन से व प्लांट के उत्पादन से थोड़ा बहुत धूल उड़ना आदि से हानि जरूर होता है लेकिन लाभ ज्यादा होता है। उपाय– प्लांट के अंदर व गांव में एवं गांव के आसपास जल छिड़काव की व्यवस्था करना तथा प्लांट के अंदर भी जल छिड़काव करना व आसपास पौधा लगवाना। प्लांट के अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए जिससे कि गांव के आसपास के लोगों से सद्व्यवहार बना रहें व लोंगों से जुड़ाव बढ़े, जैसे कि लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध कराना व गांव में अधिक से अधिक पेड़–पौधा लगवाना, नेत्र शिविर का आयोजन करना, प्रभावित गांव के विकास के लिए मदद करना व गांव के हित में ऐसे कार्य करना जिससे लोंगों का जुड़ाव कंपनी प्रबंधन के साथ बना रहे।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

2. <u>डॉ. केशव कौशिक, सीपत</u> – मैं एन.टी.पी.सी. सीपत का रहने वाला हूं। भारत सरकार के द्वारा एन.टी.पी.सी. संचालित है, जिससे वहां के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिला है साथ ही आर्थिक सुदृता में वृद्धि हुई है और गांव का विकास प्रबंधन द्वारा समय–समय पर किया जाता है। चुंकि मैं एक औद्योगिक क्षेत्र से आया हूं, इसलिए आप लोगों को यह बताना चाहूंगा कि बिना लघु उद्योगों के स्थापना से न तो देश का विकास संभव है न क्षेत्र का विकास संभव है। इसलिए स्थानीय लोगों का हित देखते हुए अपने ग्राम में मूलभूत सुविधाओं का विकास करना है, तो निश्चित ही हमें छोटे–छोटे लघु उद्योगों का विकास करना होगा। अतएव यदि हिन्द एनर्जी कोल बेनिफिकेशन द्वारा जो परियोजना लगायी जा रही है वह निश्चित ही सराहनीय कदम है यदि स्थानीय लोगों के हितों का ध्यान रखा जाता है और गांव के विकास का ध्यान रखा जाता है, पर्यावरण संरक्षण की ध्यान रखा जाता है, यदि बेरोजगारों का ध्यान रखे हुए गांव का विकास संभव हो सके एवं व्यापरियों का विकास संभव हो सके।

3. <u>श्री रामरतन यादव, ग्राम कटरा</u> – बड़ी खुशी की बात है कि हमारे गांव में हिंद एनर्जी कोल वाशरी का जन सुनवाई कार्यक्रम रखा गया है जिससे हमारे गांव वाले सहमत है जो हमारे गांव के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए और आसपास में जो भी असुविधा है उसके लिए पेड़ पौधा लगाना चाहिए।

4. <u>श्रीमति गिरीजा बाई साण्डे, योतिगा बाई, जागृति समूह महिला ग्राम बिरगहनी (ब):–</u> बिरगहनी (ब) में कोल वाशरी खोलने हेतु जन सभा रखा गया है, श्रीमान् जिला कलेक्टर से हम ग्रामवासी महिला समिति जागृति समूह द्वारा एवं सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि हमारे ग्राम में पर्यावरण प्रदुषण होगा तथा रोड में गाड़ी चलने से धुल का गुब्बारा उड़ता है जिससे हमारे बच्चे को इन्फेक्शन होगा जिससे वे बीमार पड़गें, साथ ही कोयले के धूल से हमारे फसल को क्षति पहुंचेगा एवं पेड़ पौधों में धूल की परत जम जाता है और धान के फसल के लिए हमारे ग्राम तथा कृषक लोग को भारी हानि पहुंचेगी। अतः श्रीमान कलेक्टर से हम सभी ग्रामवासी अनुरोध करते हैं कि कोल वाशरी खोलने की अनुमति नहीं दिया जाये।

5. <u>श्रीमति दुलौरिन बाई ग्राम बिरगहनी</u>– कंपनी द्वारा हमारी जमीन को खरीदा गया है किन्तु हमारे बच्चे को रोजगार नहीं दिया गया है। जिससे हमे परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे दोनों लड़कों को कंपनी द्वारा रोजगार दिया जाना चाहिए।

6. <u>नवल किशोर सिंह, पूर्व संरपंच ग्राम पंचायत बुड़गहन</u>– आज लोक सुनवाई हिन्द एनर्जी के द्वारा रखी गयी है, पहले जांजगीर जिला का प्रारंभिक जो सीमा होती है

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

वो हम लोगों के गांव से शुरू होती है, इससे पहले महावीर कोल वाशरी एवं हिन्द कोल वाशरी पहले से ही स्थापित है उससे जो समस्या का सामना हमें करना पड़ रहा है यह किसी से छिपी नहीं है, आदरणीय लोग आये होगें तो जाकर वहां देखे कि रोड कितना अच्छा है। तो हमारी मूलभूत समस्याएं जो शुरू होती है रोड़ से आज अगर हम परेशान है तो रोड की वजह से, आज हम बीमार पड़ते है तो रोड की वजह से, आज हम अशिक्षित है तो रोड की वजह से, तो मैं हिन्द वॉशरी से निवेदन करूंगा साथ ही साथ मैं सभी अधिकारी–कर्मचारी से करबद्ध प्रार्थना है कि सबसे पहले इस रोड को बनाया जाये। अगर ये रोड बनती है और हिन्द वाशरी यहा पर कोल वॉशरी स्थापित करती है और हमारे लोकल लोग जो धूल खाते हैं उन्हे नौकरी मिल जाती है तो इस क्षेत्र की सभी जनता हिन्द वॉशरी के पक्ष में रहेंगे। हमारे यहां गरीबी और बेरोजगारी की समस्या क्यों है क्योकि हमारे इस क्षेत्र में रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं है, और न ही वाहन की सुविधा है, एवं सिंचाई हेतु नहर की सुविधा नहीं है। हम लोग ये कल्पना नहीं कर सकते कि आज से बीस साल बाद भी पानी की समस्या का समाधान हो सकेगा। दूसरी जो गांव की समस्या है हमारा क्षेत्र लगभग 200 फीट उपर होने के कारण नहर से हमारे खेतों को पानी नहीं मिलता है। हमारे पास जो सबसे बड़ी समस्या है बेरोजगारी, अशिक्षा की है। कंपनियां चाहे कोई भी हो यदि वह जन सहयोग करती है और हमारे क्षेत्र के लोगो को नौकरी देती है तो, कंपनी लगाये हमे कोई आपत्ति नहीं है।

7. श्री पराग कुर्रे, जनपद सदस्य, ग्राम बुड़गहन– मेरे जनपद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरगहनी (ब) में हिन्द एनर्जी द्वारा प्लांट स्थापना हेतु पर्यावरणीय जन सुनवाई रखी गई है उससे हम उम्मीद करते है कि मेरे जनपद क्षेत्र क्र. 03 के तहत् सभी ग्राम पंचायतों के बेरोजगारों का रोजगार का अवसर मिले एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण करे तो हमारी पूर्ण सहमति होगी। प्लांट के लगने से विकास होता है, बेरोजगारी दूर होती है, लोगो की समस्याओं का समाधान होता है। गांव के गरीब मजदूरों को रोजी–रोटी का साधन उपलब्ध होगा, बेरोजगारों के परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगी। अगर कही गई बातों को ध्यान में रखते हुए प्लांट स्थापित करे तो इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

8. श्री संतोष कुमार पटेल, ग्राम चारपारा– गांव वाले और जनता से निवेदन करता हूं कि प्लांट लगने से हमारे गांव में विकास की गंगा बहने लगेगी। इसलिए बहने लगती है क्योंकि बेरोजगार भाई बहनों को रोजगार मिल जाता है, और गांव विकास की ओर चलने लगता है। कंपनी लगने से आसपास के क्षेत्र के लागों को

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

रोजगार मिलेगा और गरीब भाई बहनों का उत्थान होगा, इसलिए मैं कोल वॉशरी प्रबंधन को धन्यवाद देता हूं।

9. संदीप कुमार अग्रवाल, मोलाईनभाटा, कटघोरा – हिन्द एनर्जी के संबंध में कुल 18 बिन्दूओं में टिप्पणी है, जो मैं आपके सामने बताना चाहूंगा :–

1. कोल वाशरी लगाकर मालिक अनलिमिटेड कमाई करता है और उसका कमाई का एक भी भाग आम लोगों की जनसेवा में नहीं लगाता, जैसे–अस्पताल, शिक्षा, गरीबी इत्यादि। कुछ खर्च भी करता है तो दिखावा ज्यादा और वो भी भ्रष्टाचार की आड़ में गुणत्ताहीन बना कर आपना दिखावा करते हैं। सड़कें बनाने के मामलें में फाइलों को इधर–उधर भेजने का नाटक किया जाता है।
2. कोलवॉशरी लगाकर क्षेत्र को प्रदूषण की मानक स्तर से कई गुना अधिक करेंगे जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है और प्लांट लगने से विश्व रिकॉर्ड बन जाएगा। अभी प्रदूषण के मामलें में क्षेत्र पूरे भारत में पांचवा स्थान रखता है। क्या आप चाहते है कि यह स्थान पहला हो।
3. कोल वॉशरी लगाकर क्षेत्र में सैकड़ों दैत्याकार ट्रक और ट्रेलर चलेंगे जिनके पहिये के नीचे आम आदमी अकाल मौत मरेगा और प्रशासन की आंखों में यही मौत अज्ञात वाहने की चपेट में आकर फलाना की मौत नजर आयेगी।
4. सभी भारी वाहनों के चालक नशे में वाहन चलायेंगे, नाबालिक भी वाहन चलायेंगे और ओव्हरलोड चलाकर सड़कों की धज्जियॉ उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगे। आम लोगों की शरीर की हड्डियां हिल जायेगी और बेसहारा होकर वो प्रशासन को कोसेंगे।
5. स्थानीय नेता लोग सिर्फ उनकी दलाली कर चंदा वसूली कर जनता को धोखा देते रहेंगे और अच्छी सोच की कल्पना नहीं कर सकेंगे। यह हकीकत है और आप स्वयं भी जानते होंगे कि नेता और प्रशासन के बीच होने वाले बंद कमेरे की मीटिंग में क्या कहते हैं और फोन पर या व्यक्तिगत क्या होता है। यह अच्छी तरह से मुझे मालूम है।
6. चारों तरफ भू–विस्थापित आंदोलन करेंगे और नौकरी के लिए नाक रगड़ेंगे तब प्रशासन सिर्फ नोटिस और कागजी कार्यवाही कर बेरोजगार युवकों के मुंह पर तमाचा मार कर यह बतायेंगे कि कैसे होता है जमीन देकर रहना।
7. कोल वाशरी में बाहरी लोगों को नौकरी दी जायेगी, जिससे स्थानीय शांति और अमन चैन खत्म हो जायेगा और सिर्फ चोरी, डकैती, बलात्कार और गुंडागर्दी का वर्चस्व हो जायेगा। प्रशासन कहेगा कि हमारे पास स्टाफ की कमी है और लोगों को खुद अपनी सुरक्षा करनी चाहिए।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

8. जिन लोगों ने कोल वॉशरी के लिए अपनी पुरखौती जमीन दी है उन्हीं के लिए मैनेंजमेंट का दरवाजा बंद हरेगा और वहां के सुरक्षा प्रहरी कहेंगे कि जमीन दी है तो कोई अहसान नहीं किया है और धक्के मारकर भूविस्थापित को बाहर निकाल देंगे।

9. आप स्वयं सोच कर देखिए कि जिन किसानों को खेत में धान उगाकर अन्न संकट को दूर रखने में महारथ हासिल है वो बेचारे प्लांट में क्या काम कर पायेंगे। उनका अधिकार खेती किसानी में है और आप का फर्ज है कि किसानों का दर्द समझते हुए उनके लिए नहर की व्यवस्था की जाए ताकि गांव का गांव उन्नत हो और हर किसान मालामाल हो, यदि कोलवॉशरी स्थापित की जायेगी तो पूंजी का एकीकरण होगा और देश के विकास में अवरोध होगा।

10. आप अधिकारी हैं और हकीकत से आपकी आत्मा नामंजूर होगी इसलिए यदि आपने मन में ठान लिया होगा कि कोल वॉशरी नहीं दी जायेगी तो आपको सैकड़ों लागों का आर्शिवाद मिलेगा।

11. कोल वाशरी लगाने से आसपास के गांव में पेय जल का संकट भी पैदा होगा, जिसका हल कभी नहीं निकल पायेगा। आज हर आम आदमी के मन में असंतोष का बीज बोया हुआ है, कोल वाशरी को अन्य राज्य में स्थापित किया जाय जहां बंजर भूमि हो।

12. पूर्व में भी कंपनी मालिक द्वारा अन्य जगहों पर कोल वॉशरी लगाया गया है। वहां की हालात से अगर आप वाकिफ हैं और उसके बाद भी कंपनी लगाने के पक्ष में है तो लानत है ऐसे अधिकारी पर जो आम जन की परवाह नहीं करते हुए महज कुछ कागजातों के बलबूते पर खोखले विकास की दावा करते फिरते हैं।

13. हरदी बाजार से बलौदा मार्ग पर उक्त कंपनी का कोलवॉशरी स्थापित किया गया है क्या अब वो हर पूर्व की शर्तो का पालन कर रहा है बिल्कुल भी नहीं क्योंकि हरदी बाजार के बीचों बीच मुख्य मार्ग से भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है, जिसे हरदी बाजार के व्यापारी संघ ने बंद करने अनिश्चित कालिन हड़ताल चालू कि है मतलब साफ है कि आम जन कोल वाशरी लगाने की पक्ष में नहीं है एक बार प्लांट लगाने की अनुमति मिल जाने के बाद प्लांट मालिक मनमाना रवैया अपनाते हुए सारे नियम कानूनों को ताक में रखकर काम करते हैं और उनकी भनक तक प्रशासन को नहीं लगती है। उदाहरण के तौर पर हरदी बाजार से बलौदा मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है,

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.smartPDFcreator.com

लेकिन अब तक उक्त कंपनी ने कभी कोशिश भी नही कि मार्ग को को अच्छा और चकाचक बनाया जाए, संवेदनहीन कंपनी को और कोल वॉशरी लगाने की अनुमति न दी जाय इस बात का मैं समर्थन करता हूं।

14. भारी वाहनों के आगे पिछे नंबर प्लेट या तो नहीं मिलेंगे या धूल से ढका रहेगा। पार्किंग लाईट के बिना वे सड़क के किनारे जहां भी मन करेगा वाहन खड़ा करेंगे और आम लोग रात में उस वाहन से टकराकर मौत के आगोश में चले जायेंगे। जैसे कि जनवारी 2014 से अब तक लगातार कोरबा जिले में हो रहा है। इसके अलावा वाहनों के उपर कोयले पर तारपोल भी ढककर नहीं चलायेगें अगर ढकेंगे भी तो फटा हुआ तारपोल जिससे राहगीरों को परेशानी होगी।
15. हम यह कल्पना करते हैं कि हमारा क्षेत्र भी विदेशों की तरह एकदम साफ सुथरा हो, रोजगार हो लेकिन यहां सब कुछ उल्टा होता है, स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था भी नहीं की जायेगी। आम लोगों का जीवन अंधकारमय हो जायेगा। जिसके जिम्मेदार आप जैसे अधिकारी होंगे।
16. वैसे तो कोल वाशरी लगाने के पीछे तर्क या नियम होता है कि आबादी से दूर स्थापित किया जाए, लेकिन ऐसा होता ही नहीं है आप के विज्ञप्ति के अनुसार आबादी से दूर करने की बजाए आबादी वाले गांवों को ही हटाकर प्लांट लगाया जाये।
17. यदि आपका जरीर और ईमानदारी का जरा भी भाग जिंदा है तो इस कोल वाशरी को स्थापित न किया जाए और आम लोगों के मन में प्रशासन के प्रति विश्वास को पुनः जिंदा कर सराहनीय कदम उठाया जाये।
18. पर्यावरण क्षति को पूर्ण करना हर आदमी के वश में नहीं है, पौधों को हर कोई लगा सकता है, लेकिन जिम्मेदारी से उसकी रक्षा करना बहुत बड़ा काम है। आज के ये पेड़ जो हमारे पूर्वजों द्वारा लगाये गये थे उनकी वजह से हम जिंदा है और इस तरह के प्लांट लगाने से पर्यावारण पर विपरित प्रभाव पड़ेगा जिसके भरपाई हम नहीं कर पा रहें है, तो हमारी आने वाली पीढ़ी क्या कर पायेगी। हमारे आगे की पीढ़ी यह कहकर कोसेगी कि हमारे पूर्वज हमारे लिए मौत का सामान छोड़ कर गए हैं। हमारा फर्ज यह होना चाहिए कि पुराने पेड़ो को बचाते हुए नये पौधे लगाये जाये। उनकी रक्षा वैसे ही की जाये जैसे कोई परिवार अपने बच्चों को पालता पोषता है। यह सारी जिम्मेदारी आप को मिली है, आप के टैलेंट के बलबूते पर मत लीजिए जमीन उन किसानों का और मत पास कीजिए उस प्लांट को।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

10. <u>श्री दिलेन्द्र कौशिक, सीपत</u> – यहां की सभी स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है कि यह कंपनी कोयले और एनर्जी के क्षेत्र में काम करने वाली एक कंपनी है। यहां पर स्थापित की जाने वाली कंपनी द्वारा 96 हजार मैट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता जो कि कोई बहुत बड़ा प्लांट नहीं है। लेकिन फिर भी एक सामान्य बात है। यहां पर नहर से भी सिचाई की सुविधा नहीं है, यह क्षेत्र कृषि क्षेत्र में भी आत्म निर्भर नहीं हैं। प्लांट प्रबंधन द्वारा यहां के स्थानीय लोंगों को उनकी योग्यता के अनुसार ट्रेनिंग देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जाये। जांजगीर औद्योगिक क्षेत्र है और यहां कोयले की आवश्यकता बहुत है इसलिए यहां कोल वाशरी खुलना चाहिए।

11. <u>श्री बिहारी लाल महंत, कटरा नवापारा</u> – यहां प्लांट खुलने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा गांव के आश्रित लोगों को काम मिलेगा उसी प्रकार हमारे ग्राम कटरा में भी प्लांट खोला जाये और हमें भी रोजगार उपलब्ध कराते हुए हमारे क्षेत्र के रोड़ का भी विकास किया जाये।

12. <u>श्री मोहन प्रकाश गोंड़, बुड़गहन</u> – इस क्षेत्र में नहर आ सकता है लेकिन जन प्रतिनिधि नहीं चाहते एवं सांसद, विधायक भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। अधिकारी हमारे बात को नहीं मानते, यहां नहर नहीं ला सकते हैं। जनप्रतिनिधि हमारे बात नहीं सुनते।

13. <u>श्रीमति शांति बाई यादव, कटरा</u> – कोल वॉशरी खुल रहा है अच्छी बात है परन्तु प्रबंधन द्वारा नौकरी का दिलासा दिया जाता है किन्तु बाद में नौकरी नहीं दी जाती है इसलिए हमें प्रबंधन द्वारा नौकरी के संबंध में लिखित में आश्वासन दी जाये।

14. <u>श्री विनोद शुक्ला,</u> – विगत 30 साल से हम लोग देखते आ रहे है कि किस तरह का विकास, कैसी तरक्की, कैसी उपलब्धी पर लगातार चलते–चलते विभिन्न संगठनों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, सड़कों की दुर्दशा से गुजर रहें है। यदि ये कोल वॉशरी जो खुल रहा है उसके द्वारा गांव के विकास में, गांव की तरक्की में, गांव के नौजवानों को रोजगार देने का आश्वान न देकर यदि लिखित में आश्वासन दें, सड़कों को जिसमें बड़ी–बड़ी हाइवा चलने से खराब हो गया है उसे बनवायें, सिंचाई की व्यस्था करें और जनता का ख्याल रखे तो कोल वाशरी प्लांट का स्वागत है।

15. <u>श्री जसवीर प्रसाद जाटवर</u> – प्रबंधन को सोचना होगा कि बिरगहनी ग्राम में 1 किलोमीटर की दूरी पर दो कोल वाशरी पूर्व से स्थापति है और उत्तर में तीसरे कोल वाशरी स्थापना के संबंध में यह कार्यवाही किया जा रहा है, अगर आप लोगों को लगाता है तो हमे कोई आपत्ति नहीं है, परन्तु रोड की समस्या किसी ने

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

आपको बताया धूल उड़ने के कारण हमारे गांव में कितनों मर गये। स्थानीय समस्याओं से हम ग्राम वासिंयों को जूझना पड़ता है न कि प्रबंधन के अधिकारियों को। रबी को कौन कहे हमारा खरीफ फसल बर्बाद हो गया है। यदि प्रबंधन द्वारा मूलभूत समस्या जैसे– शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क, रोजगार आदि की समस्याओं का निराकरण किया जाता है, तो हमे इस वॉशरी के लगने से कोई आपत्ति नहीं है।

16. श्रीमति उर्मिला बाई, श्रीमति यशोदा बाई, बिरगहनी – हमारे गांव की सड़के अत्याधिक खराब होने के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, बिरगहनी में रोड बनना चाहिए और क्षेत्र के लोगों को रोजगार दें।
17. श्री प्रीत राम, ग्राम कटरा – आप भी देख रहें होंगे हमारे गांव में एक सप्ताह से लाईट नहीं है , यहां रोड खराब होने के कारण दुर्घटना होने की संभावना हमेशा बनी रहती है, साथ ही क्षेत्र के लोग घूल से अत्याधिक प्रभावति है। पानी गिरने के कारण यहां की सड़क चलने लायक नहीं रहता जिससे यहां शिक्षक नहीं आते और बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती है।
18. श्रीमती केरा बाई, ग्राम–डोंगरी :–दोनो बहनो के जमीन को लूट रहे है। इसलिए मै आवेदन देने आई हूॅ।
19. श्रीमती गिरजाबाई साण्डेय बिरगहनी :–हम लोग कोल वॉशरी नहीं खुलने देंगे। अगर खुलेगा तो सभी लोगों को नौकरी दिया जायेगा, रोड भी बनाओ आप लोग रोड नहीं बना रहे हैं। जिसके कारण बाल बच्चा स्कूल नहीं जा पा रहे है।
20. श्रीमती ज्योर्तिमा बाई, ग्राम–बिरगहनी :–हमारे गांव में धूल, मिट्टी होने के कारण छोटे–छोटे बच्चे स्कूल जाने में तकलीफ हो रही है। गली का रोड खराब है इसलिए हमारे के रोड को सीसी रोड बनाया जाये। और सभी बच्चे ठीक से स्कूल जाकर पढ सकें। और हमारे गांव में बस नहीं चल रहा है। हम लोगों को ट्रक में चढकर जाना पडता है। हम लोगो को बीमार बच्चो को लाने ले जाने के लिए बसों का प्रबंध होना चाहिए।
21. श्री सत्यवान सुमन, बिरगहनी:–ग्राम बिरगहनी के केमरपुर मोहल्ले में 25 साल हो गये निवास करते हुए। अभी तक जंगल में चला गया है बिजली। मगर सरपंच लोग बोलते है कि जाके बसो जंगल में हम लोग क्या करेंगे। केमरपुर का स्कूल बिरगहनी में बना दिया है प्राथमिक शाला, उसको बदं कर दिया जाये या फिर अमरपुर में खोला जाये। बरसात के दिन में न तो वहां सडक है। वहां जा नहीं पाते। रोड को जल्द से जल्द बनवाया जाये। पैदल चलने के लिए समस्या हो जाता है।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.smartPDFcreator.com

22. श्री राम प्यारे कुर्रे उपसरपंच, बिरगहनी ब :–मेरे गांव में हिन्द एनर्जी खुल रहा है मै स्वागत करता हूॅ परन्तु भेलाई का वॉशरी, बलौदा का वॉशरी, बिरगहनी कोल वॉशरी ये तीनो वॉशरी के बीच में धूल धक्कड से बिरगहनी ग्राम के लोग कैसे जीवन यापन व गुजारा करेंगे। बिरगहनी के जमीन में खुल रहा है कोल वॉशरी कम से कम बिरगहनी के 50 प्रतिशत आदमीयों को योग्यतानुसार नौकरी दे। तभी तो मैं राजी हूॅ नहीं तो इसका मैं घोर विरोध करता हूॅ।

23. श्रीमती जामबाई, बुढगहन :–मेरे मोहल्ले में बोरिंग नहीं है। पानी की समस्या को दूर करें।

24. श्रीमती प्रमिला महंत, ग्राम–कटरा:–हमारे यहां पानी की व्यवस्था बहुत कम है। खेती करने में बहुत परेशानी होती है। पानी कमी पड जाती है। हमारे यहां नहर देने की कृपा करें। रोड बहुत खराब है। बस नहीं चलता है। हमारे यहां रोड को बनाया जाये। दुर्घटना बहुत होती है बच्चो को स्कूल लाने लेजाने में बहुत परेशानी होती है। हम चाहते है कि यहां बस की व्यवस्था हो, यहां रोड को बनाये।

25. राजकुमार जोशी, समाजिक कार्यकता :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए हमें किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन यहां के स्थानीय लोगो को रोजगार मिलना चाहिए। रोड की व्यवस्था बहुत जर्जर है। कोयले से जो धूल निकलता है। खेती को नुकसान हो रहा है। इससे फसल भी बर्बाद हो रही है। पर्यावरण को भी थोडा नुकसान है पानी का छिडकाव किया जाये। बिरगहनी में खुल रहा है कोल वाशरी बिरगहनी ग्राम को गोद में लिया जाये। बिरगहनी के विकास के लिए छोटा मोटा कार्य किया जाये। बिरगहनी ग्राम में 2–3 कोल वॉशरी खुल गया है। उनके द्वारा यहां कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है। इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वॉशरी द्वारा पचरी निर्माण, सामुदायिक भवन, बोरिंग, मुक्तिधाम वगैरह छोटा–मोटा कार्य किया जावे। हमारे जमीन को लेकर के वॉशरी खोला जा रहा है। और हमारे लोग बेरोजगार घूम रहे हैं उन लोगों को रोजगार दिया जाये। नौकरी में भी असामानता दिख रहा है उसी कार्य को दूसरे लोग को ज्यादा वेतन दिया जा रहा है और हमारे गांव के लोगों को कम वेतन दिया जा रहा है समान्य कार्य के लिए समान्य वेतन दिया जाये। कुछ पाने के लिए कुछ खोना पडता है। दुनिया रोशन करने के लिए खुद को जलना पडता है। कोल वॉशरी खुलना चाहिए। लेकिन हमारे गांव के लोगो को ध्यान में रखना चाहिए।

26. श्री पिगम्बर, ग्राम–कटरा, :–हम गांव के रोड से बरसात में कीचड खाते है। और गर्मी में धूल खा रहे है। यहां हम हरा सब्जी कैसा होता है नहीं जानते। लगाते है धूल के कारण फूल फल खराब हो जाता हैं गर्मी के समय धूल धान में चला जाता है और

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

काला हो जाता है और हमारा स्कूल पहाड के नीचे हैं बच्चे लोग सडक पार करके स्कूल जाते है। वहां पर गतिरोधक बनाना चाहिए।

27. श्री छत्रपाल मिरी, ग्राम–बिरगहनी :– हमारे गांव में वॉशरी खुल रहा है हमें कोई आपत्ति नहीं है। मगर हमारे गांव में जितने बेरोजगार युवक है उसे योग्यतानुसार नौकरी दिया जाये।

28. श्री घासीराम पटेल,ग्राम–बुढगहन :–हम ग्राम पंचायत सहमत है कि कोल वॉशरी हमारे ग्राम के लोगो को रोजगार दे, पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए ग्राम का विकास करें, हमारे ग्राम सभी बेरोजगार को रोजगार दे, ग्राम पंचायत के मूलभूत सुविधा को ध्यान में रखते हुए हमारी मांग को पूरा करें। और अपना प्लांट स्थापित करें। हमको कोई आपत्ति नहीं है। हमारी आवश्यकता यह है कि महिलाओ के लिए तालाबो में पचरी निर्माण, हैंडपंप की व्यवस्था, स्कूलों एवं हाईस्कूल में सांस्कृतिक मंच का निमार्ण, स्कूलो में साईकल स्टैण्ड के लिए शैड का निमार्ण, सीसी रोड, बिहारी चौक से सोसायटी भवन तक। मुख्य मार्ग से बलौदा तक डामरीकरण एवं रोड के किनारे वृक्षारोपण करें।

29. श्री दीपक कुमार जांगेडे, ग्राम–बिरगहनी :–मै बारहवी पास हूॅ। रोजगार चाहिए।

30. श्री महेशदास बुढगहनः– गांव में सडक पक्कीकरण होना चाहिए। स्कूल वाला रोड भी सीसी रोड बनना चाहिए। तालाब में पचरी का निर्माण होना चाहिए एवं पीने के लिए पानी की सुविधा होनी चाहिए।

31. श्री गौरव सिंह चन्द्रा, बुढगहन :–यह क्षेत्र बहुत ही पिछडा हुआ है। ये जांजगीर–जिला का आखरी कोना है। यहां इस क्षेत्र को कभी भी नहर से सिंचाई के लिए पानी नहीं मिला है। इस क्षेत्र जांजगीर जिला में ला रहे है करके यहां आकाल घोषित किया है। यहां कोई साधन नही है। कोल वाशरी खुल जायेगा। शिक्षित लोगों को रोजगार मिल जायेगा। अशिक्षित लोग है कम से कम लेबर का काम करेंगे, हमारे लिए सुविधा होगी।

32. श्री बाबूलाल पटेल, कटरा :– यहां हरदीबाजार से बलौदा तक की रोड इतनी दयनीय व जर्जर है कि हमारे गांव व आसपास के गांव पर्यावरण इतना प्रदूषित है कि जंगल से लेकर मानव और पशु पक्षी। हिन्द कंपनी का हो या महावीर कंपनी का इतनी ट्रके चल रही है कि रात में पशुओ को मारकर निकल जाते है। जिससे जनधन की हानि हो रही है। प्रबंधन इस पर विशेष ध्यान दे। इस क्षेत्र में हम बेरोजगारी की बात करते है गरीबी की बात करते है। इस टाईप की व्यवस्था नहीं है। फसल हम उगाते हैं जहां वर्षा होती है वहां पर्याप्त मात्रा में फसल होता है। फसल नहीं होने के कारण हम गरीब पलायन करते है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारे यहां तालाब की

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

व्यवस्था हैं पढे लिखे बेरोजगार है प्रबंधन द्वारा वॉशरी में योग्यता अनुसार रोजगार दिया जाये। जितनी किसानो की भूमि अधिग्रहण हो रही है। प्रबंधन द्वारा नियमानुसार मुआवजा दिया जाये। और उनके परिवार को नौकरी दिया जाये।

33. श्री अमृत लाल लहरे बुढगहन :–हम लोग यहां 10 साल से धुल खा रहे है और टीवी के मरीज हो गये है। हमारा फेफडा सूख जाये इससे पहले कि प्रबंधन चिकित्सालय की व्यवस्था करें। मै खुद टीवी का मरीज हूॅ। यहां स्वास्थ्य विभाग की जरूवत हैं।
34. श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, सिवनी नैला :–छ0ग0 में वॉशरी प्लांट लग रहे है किसानो का जमीन जाता है। शासन जितना मुआवजा तय करती हैं जितना मुआवजा आपको दिया। दो बात आगह करूंगा। धूल धक्कड़ रोड की स्थिति क्या है आपने भी देखा होगा। भलीभांती जानते है। क्योकि आप रोड मार्ग से होकर आये है। ग्रामीण क्षेत्र में रहते है हम धूल धक्कड़ सहेंगे बीमारियां होंगी हमको, रोड की स्थिति देख रहे आप, जान हथेली मे लेकर चलना होगा हमे, इस बात का ध्यान रखे कि शासन ने जो निर्धारित राशि क्षेत्र के विकास कार्य में किया जाना है क्षेत्र का विकास नहीं कराया, रोजगार नही दिया आप, मै शासन व आपको का अगाह करता हूॅ कि किसानो के साथ छल न किया जाये। तथा विकास कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। स्थानीय क्षेत्र की समस्याओ एवं ग्रामीणों को संयंत्र में नौकरी एवं रोजगार के साधन उपलब्ध कराये जाये।
35. श्री धनीराम , बिरगहनी :– जो जमीन हमने प्लांट को दिया है उसे सस्ते दर में ले लिया है उस जमीन को हमे वापस किया जाये।
36. श्री राजकुमार यादव, कटरा :–कोल वॉशरी खुल रही है बहुत अच्छी बात हैं प्रबंधन द्वारा ग्रामीणो का जो वादा किया है उसे निभाये।
37. श्री चंदन कुमार चंद्राकर, बिरगहनी :–बिरगहनी में जो प्लांट लगने वाला है। बेरोजगारो को रोजगार दिया जाये। गांव में मजदूरो का पलायन हो रहा है प्लांट लगने से पलायन रूकेगा एवं स्थानीय लोगो को रोजगार दिया जाये।
38. श्री राम लाल चेलकर, बिरगहनी :–मेरा विरोध है हमारे गांव में जो नुकसान होगा। प्रबंधन द्वारा हमारी जमीन को कृषि कार्य के लिए खरीदा गया है। कोल वॉशरी के लिए नहीं कोल वॉशरी से धूल धक्कड खेती किसानी, पेड पौधा में काली परत जमने के कारण नुकसान होगा। बिरगहनी में कोल वॉशर कभी नहीं होना चाहिए।
39. श्रीमती शीतला बंजारे, ग्राम पंचायत बुढगहन :– हमारे गांव की मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, सडक, बिजली, चिकित्सा आदि उपलब्ध कराई जाये।
40. श्रीमती बुधवारा बाई, बुढगहन :–हम लोगो को कंपनी से कोई विरोध नहीं है। प्रबंधन द्वारा स्थानीय लोगो को योग्यतानुसार रोजगार दिया जाये।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

41. श्री दिलहरण दास महंत, कटरा :–कोल वाशरी खुल रहा है अच्छी बात है ग्राम पंचायत कटरा, बुढगहन की मूलभूत की समस्या दूर करने की शर्त के साथ एवं स्थानीय लोगो को रोजगार दे। हमारी सहमति है।
42. श्री कुवंर प्रताप सिंह, कटरा :– ट्रक की आवाजाही से धूल प्रदूषण हो रहा है जिससे फसलो को एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य में नुकसान हो रहा है। अतः रोड मार्ग को डामरीकरण करावे साथ ही रोड के दोनो किनारे में वृक्षारोपण करें।
43. श्री शिव दयाल बघेल, बुढगहन :–ये तीनो कोल वॉशरी के ट्रको के आवागमन से सडक की स्थिति जर्जर हो गई है जिससे धूल प्रदूषण होता है तथा खेती किसानी के लिए बहुत नुकसान है। पर्यावरण के लिए जरूरी है कि प्रबंधन द्वारा 100 एकड को गोद में लिया जाये और उस पर सघन वृक्षारोपण किया जाये। और उसकी रखवाली भी की जाये। प्रबंधन द्वारा वॉशरी में योग्यतानुसार नौकरी दी जाये।
44. श्री रामचन्द्र कुर्रे, बिरगहनी :–ग्राम बिरगहनी में वॉशरी लगाने हेतु जमीन लिया गया है तो जन सुनवाई ग्राम बिरगहनी में होना था वह ग्राम कटरा क्यो रखी गई है। कोल वाशरी के समीप जो खेत लगे हुए है उसकी स्थिति देखिए। खेत की फसले पूरे काले हो गये। कटरा में लोक सुनवाई रखने पर बिरगहनी के लोग अपनी समस्या कैसे बतायेंगे। क्योकि वाशरी बिरगहनी में लगाया जाना प्रस्तावित है। गांव की मूलभूत समस्याएं को देखे उसके बाद ही कोल वॉशरी को अनुमति दें।
45. श्रीमती बसंता कटरा :–हम जमीन नहीं देंगे।
46. श्रीमती जमुना बाई, ग्राम–कटरा:–हम कोल वॉशरी को जमीन नहीं देना चाहते है।
47. श्रीमती रूकमणी देवी, ग्राम–कटरा :– हमें नौकरी नहीं चाहिए, हमारी जमीन हमारे पास रहना चाहिए। क्योकि प्रदूषण होगा गांव में धान नहीं होगा। बिरगहनी में खुले या न खुले
48. श्रीमती राजमती, ग्राम–कटरा :–हमे नौकरी नहीं चाहिए।
49. श्रीमती सतरूपा देवी, ग्राम–कटरा :– हमारे बच्चे स्वस्थ्य रहे अच्छा से अच्छा से खाना मिले। प्रति गांव के बच्चो को, रोड को अच्छा से अच्छा बनाई जाये धूल मिट्टी हम सभी खां रहे है। जिससे बच्चे बीमार पड रहे है।
50. श्री सुखचंद ओगरे, बिरगहनी :– ग्राम बिरगहनी में वाशरी खोल रहे है। कटरा में लोक सुनवाई कर रहे है। अतः पुनः लोक सुनवाई बिरगहनी करना चाहिए। हमारे गांव का विकास होना चाहिए।

अपर कलेक्टर, जिला–जांजगीर–चांपा द्वारा जन सामान्य को अवगत कराया गया कि लोक सुनवाई के पूर्व निर्धारित अवधि में क्षेत्रीय कार्यालय छ0ग0 पर्यावरण संरक्षण मंडल को

This document was Created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.smartPDFcreator.com

प्रस्तावित उद्योग के संबंध में कुल 65 एवं लोक सुनवाई के दौरान 124 लिखित में आपत्ति/सुझाव/विचार प्राप्त हुये। सम्पूर्ण लोक सुनवाई कार्यक्रम की विडियोग्राफ/फोटोग्राफी कराई गई है। लोक सुनवाई के दौरान लगभग 500 जनसामान्य की उपस्थिति रही, जिसमें से 50 व्यक्तियों द्वारा प्रस्तावित उद्योग स्थापना के संबंध में अपना सुझाव/विचार एवं आपत्तियां व्यक्त की गई। जन सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समुदाय मे से 149 लोगो द्वारा अपनी उपस्थिति, लोक सुनवाई उपस्थिति पत्रक में दर्ज कराई गई है।

लोक सुनवाई कार्यक्रम के समापन पर अपर कलेक्टर, जांजगीर–चांपा द्वारा उपस्थित जन समुदाय को लोक सुनवाई में उपस्थित होने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए लोक सुनवाई की कार्यवाही को समाप्त करने की घोषणा की गई।

(बी.एस.ठाकुर)
क्षेत्रीय अधिकारी,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
बिलासपुर (छ.ग.)

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर
जिला जांजगीर–चांपा (छ.ग.)

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

This document was created using
Smart PDF Creator
To remove this message purchase the
product at www.SmartPDFCreator.com